an>

Title: Need to conserve and develop places of tourist and cultural heritage in Allahabad and its surrounding places in Uttar Pradesh.

श्री केशव प्रसाद मौर्य (फूलपुर)ः सांस्कृतिक, अध्यात्म एवं शिक्षा की नगरी प्रयागराज एवं उसके निकटवर्ती स्थानों के पर्यटन व सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित एवं विकसित करने के संदर्भ में आपसे आग्रह है कि प्रयाग में प्रत्येक वर्ष माघ मेला, प्रत्येक 6 वर्ष में अर्द्धकुंभ एवं 12 वर्ष के पश्चात महाकुंभ मेले का आयोजन होता है जिसमें दुनिया के कोने-कोने से करोड़ों पर्यटकों और श्रद्धालुओं का आगमन होता है। इस क्षेत्र में स्थित शृंगवेरपुर धाम वहीं स्थान है जहां भगवान श्री राम ने केवट की नाव में गंगा पार की थी। आज भी इस स्थान का बड़ा ही धार्मिक महत्व है। साधन के अभाव एवं मार्ग व्यवस्था खराब होने के बाद भी हजारों की संख्या में श्रद्धालु एवं पर्यटक शृंगवेरपुर में गंगा दर्शन एवं गंगा स्नान को आते हैं। शृंगवेरपुर के समीप ही रामचौरा नामक स्थान है जहां भगवान श्री राम ने एक रात्रि विश्राम किया था। पाण्डवों के द्वारा स्थापित शिवलिंग पण्डेश्वर धाम स्थानीय जनता में शिव नगरी के नाम से जाना जाता है जहां सालों-साल श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं। दुर्वासा आश्रम भी इसी क्षेत्र में स्थित है जो पूरे देश में अपनी तरह का एकमात्र आश्रम है। शहर के अंदर वेनीमाधव का मंदिर, ललिता देवी का मंदिर, आलोपशंकरी मंदिर, दशाश्वमेध मंदिर (जहां ब्रह्मा जी ने दस हजार यज्ञ किए थे), आदिगणेश मंदिर इत्यादि ऐसे स्थान हैं जहां भारी संख्या में दर्शनार्थी आते हैं। झूसी नगर में संकीर्तन भवन, गंगोली शिवाला एवं अन्य कई प्राचीन मंदिर हैं। तीर्थराज "प्रयाग " में स्थित भारद्वाज आश्रम का भारत ही नहीं विदेशों में भी बहुत महत्व है।

अतः मेरा केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि तीर्थराज "प्रयाग " में स्थित भारद्वाज आश्रम के सुन्दरीकरण को पर्यटन की दृष्टि से विकसित किया जाए। भारद्वाज पार्क में भगवान राम, माता सीता व लक्ष्मण जी के साथ महर्षि भारद्वाज जी की विशाल प्रतिमा की स्थापना की जाए। शृंगवेरपुर में भी निषादराज गुह जी के साथ भगवान राम, माता सीता, लक्ष्मण एवं हनुमान जी की विशालकाय प्रतिमा की स्थापना की जाए। पर्यटन व सांस्कृतिक धरोहर को पर्यटन की दृष्टि से संरक्षित एवं विकसित किया जाए।